www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर EXPRESS

रविवार, 27-03-2022 अंक-83

www.worldkhabarexpress.media

www.worldkhabarexpress.com

WORLD खबर एक्सप्रेस

MID DAY E-PAPER

WORLD खबर EXPRESS WORLD खबर एक्सप्रेस

कानपुर

मार्च-अप्रैल में आम के बागानों को विशेष देखभाल की जरूरत

सीएसए के प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने बागवानों के लिए जारी की एडवाइजरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डीआर सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने आम के बागवानों के लिए एडवाइजरी जारी कर कहा है कि मार्च-अप्रैल में आम के बागों को विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है। आम की फसल का प्रबंधन यदि उचित ढंग से किया जाए तो इससे अच्छी आमदनी प्राप्त हो सकती है।

डॉ. सिंह ने कहा कि इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं। इस समय भुनगा कीट की समस्या होती है इसकी रोकथाम के लिए थाईमैथकजाम 25 डब्ल्यू जी की एक ग्राम मात्रा को प्रति तीन लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम में स्केल कीट भी लगता है जो टहनियों, बौरों एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद रंग का होता है इसके नियंत्रण हेतु डाईमेंथोएट 30 ईसी की दो मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरों पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय आम की

फसल में खर्रा रोग भी आता है इसकी रोकथाम के लिए हेक्सआकोनाजोल 50 स्रुकी एक मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करने से इसका नियंत्रण हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग भी देखा गया है। बागवान इस रोग के नियंत्रण के लिए कार्बेंडाजिम 50 डब्ल्यूपी की एक ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करना चाहिए। सिंचाई प्रबंधन के लिए डॉ. सिंह ने बताया कि जिन क्षेत्रों के बागों में नमी की कमी हो तो फलों की तोड़ाई तक आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहना चाहिए तथा आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर आ रही हो तो बागवान प्लानओफिक्स 4.5 प्रतिशत की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करने से आम के झड़ने की समस्या दूर हो जाती है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि के लिए घुलनशील उर्वरक 19:19:19 के पांच ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण की पांच ग्राम को प्रति लीटर पानी कि दर से घोल कर छिड़काव लाभप्रद होगा।

वर्ष 16 अंक 84 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, सोमवार 28 मार्च 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com पेज -8

अक्षर और ललित के आगे मुंबई पस्त

आम के बागवानों हेतु एडवाइजरी

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने आम के बागवान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी कर कहा है कि माह मार्च-अप्रैल में आम के बागों की विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है।डॉक्टर सिंह ने कहा कि आम की फसल का प्रबंधन यदि उचित ढंग से किया जाए तो इससे अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं।इस समय भुनगा कीट की समस्या होती है इसकी रोकथाम के लिए थाईमैथकजाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम में स्केल कीट भी लगता है जो टहनियों, बौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद रंग का होता है इसके नियंत्रण हेतु डाईमैंथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरो पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है इसकी रोकथाम के लिए हेक्सआकोनाजोल 50 स्रुकी 1 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देने से इसका नियंत्रण हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग भी देखा गया है बागवान भाई इस रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेंडाजिम 50 ड्ढकी 1 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करना चाहिए। सिंचाई प्रबंधन के लिए डॉक्टर सिंह ने बताया कि जिन क्षेत्रों के बागों में नमी की कमी हो तो फलों की तुड़ाई तक आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहना चाहिए। तथा आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर आ रही हो तो बागवान भाई प्लानऑफिक्स 4.5त्न की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करने से आम के झड़ने की समस्या दूर हो जाती है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि हेतु घुलनशील उर्वरक 19: 19: 19 के 5 ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण की 5 ग्राम को प्रति लीटर पानी कि दर से घोल कर छिड़काव लाभ प्रद होगा।

Sign in to edit and save changes to this file.

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 163
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ | सोमवार | 28 मार्च, 2022

आम की फसल का प्रबंधन बेहतर ढंग से करने पर मिलेगा अधिक लाभ: डॉ. अरविंद कुमार

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने आम के बागवान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि मार्च-अप्रैल में आम के बागों की विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है। आम की फसल का प्रबंधन यदि उचित ढंग से किया जाए तो इससे अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके होते है और भुनगा कीट की समस्या होती है। डा. सिंह ने बताया कि इसकी रोकथाम के लिए थाईमैंथकजाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम में स्केल कीट भी लगता है। जो टहनियों,बौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद रंग का होता है। उन्होंने बताया कि इसके नियंत्रण के लिए डाईमेंथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरो पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है। इसकी रोकथाम के लिए हेक्सआकोनाजोल 50 एसएल की एक मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देने से इसका नियंत्रण हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग भी देखा गया है। बागवान भाई इस रोग के नियंत्रण के लिए कार्बेंडाजिम 50 डब्ल्यूपी की एक ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करना चाहिए। सिंचाई प्रबंधन के लिए डॉ. सिंह ने बताया कि जिन क्षेत्रों के बागों में नमी की कमी हो तो फलों की तुड़ाई तक आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर आ रही हो तो बागवान भाई प्लानओफिक्स 4.5 प्रतिशत की 0.5 मिली लीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करने से आम के झड़ने की समस्या दूर हो जाती है। मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि के लिए घुलनशील उर्वरक 19: 19:19 के पांच ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण की पांच ग्राम को प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव लाभप्रद होगा।

राष्ट्रीय सहारा

28/03/2022

आम के बौर को कीटों के हमले से बचाएं

आम के बौर व दानों को प्रभावित करता है भुनगा व स्केल कीट के साथ खर्रा रोग

नमी की कमी वाले क्षेत्रों में फलों को तोड़ने तक सिंचाई जरूरी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि ने आम वागवानों के लिए एडवाइजरी जारी किया है। इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी वड़े फल वन चुके हैं। इस समय आम के वौर में वड़े हो रहे दानों पर भुनगा व स्केल कीट के हमलों का खतरा होता है। इन कीटों से वचाव कर आम की फसल का प्रवंधन यदि उचित ढंग से किया जाय तो अच्छी फसल होने से वागवानों को वेहतर आय हो सकती है।

विवि के समन्वयक प्रसार निदेशालय डॉ.अरविंद कुमार सिंह ने वताया कि मार्च-अप्रैल में आम के वागों की विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है। आम की फसल को भुनगा कीट की रोकथाम के लिए थाईमैथकजाम 25 डव्ल्यूजी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाव से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए। इसके साथ ही आम में स्केल कीट भी लगता है, जो टहनियों, वौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है। यह कीट सफेद रंग का होता है। इसके नियंत्रण हेतु डाईमेंथोएट 30ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और वौरो पर छिड़काव करना चाहिए। आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है। इसकी रोकथाम के लिए हेक्साकोनाजोल 50एसएल की 1 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए, इससे इसका नियंत्रण हो जाता है। आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग भी देखा गया है। वागवान इस रोग के नियंत्रण के लिए कार्वेंडाजिम 50डव्यूपी की 1 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाव से घोलकर छिड़काव करें। उन्होंने वताया कि सिंचाई प्रवंधन के लिए वागवानों को नमी की कमी वाले क्षेत्रों में फलों को तोड़े जाने तक आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहना चाहिए। आम के फलों के झड़ने की समस्या यदि आ रही हो तो वागवान प्लानओंफिक्स 4.5 प्रतिशत की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। विवि मीडिया प्रभारी डॉ.खलील खान ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि हेतु घुलनशील उर्वरक 5 ग्राम व सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण की 5 ग्राम मात्रा को प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव किया जाना चाहिए।

Sign in to edit and save changes to this file.

महानगर

आम की फसल का प्रबंधन जरूरी भुनगा व स्केल कीट से बचाव करें

डा. अरविन्द सिंह

कानपुर, 27 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने आम के बागवान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी की है मार्च-अप्रैल में आम के बगीचों में विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है। आम की फसल का प्रबंधन यदि उचित ढंग से किया जाए तो इससे अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। डॉ. सिंह ने कहा कि इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं। इस समय भुनगा कीट को समस्या होती है इसकी रोकथाम के लिए थाईमैंथकजाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आम में स्केल कीट भी लगता है जो टहनियों, बौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद रंग का होता है इसके नियंत्रण हेतु डाईमेंथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरो पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है। सिंचाई प्रबंधन के लिए डॉ सिंह ने बताया कि जिन क्षेत्रों के बागों में नमी की कमी हो तो फलों की तूड़ाई तक आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहना चाहिए। तथा आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर आ रही हो तो बागवान भाई प्लानओंफिक्स 4.5 प्रतिशत की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करने से आम के झड़ने की समस्या दूर हो जाती है। सीएसए के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि हेतु घुलनशील उर्वरक 5 ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण की 5 ग्राम को प्रति लीटर पानी कि दर से घोल कर छिड़काव लाभप्रद होगा।

● आम के बागवानी के लिए वैज्ञानिकों ने किसानों के लिए जारी की एडवाइजरी